(घ) यदि हां, तो सरकार ने इस संबंध में क्या कार्यवाही की है?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा): (क) कोल इंडिया लि० (को०ई०लि०) द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के अनुसार को०ई०लि० तथा उसकी सहायक कंपनियों में 30 अक्तूबर, 1993 तक 15788 करोड़ रु० (अनंतिम) की कुल राशि का पूंजी निवेश किया गया।

(ख) पिछले 3 वर्षों के दौरान कोल इंडिया लि० तथा उसकी सहायक कंपनियों में हुए लाभ/हानि को नीचे दर्शाया गया है:—

(करोड़ रु० में)
लाभ (+)/हानि (-)

कंपनी	1990-91	91-92	92-93
ई०को०लि०	(-) 42.74	(+) 38.90	(-) 17.20
भा०को०क्षे०लि०	(-) 96.27	(-) 48.12	(-) 73.84
से०क्षे०लि०	(+) 5.26	(+) 103.77	(+) 41.56
ना०को०लि०	(+) 22.58	(+) 34.24	(+) 190.72
वे०को०लि०	(-) 95.40	(+) 33.17	(+) 11.80
सा०ई०क्षे०लि०	(-) 20.79	(+) 25.61	(+) 133.40
म०क्षे०लि०	—	—	(+) 43.73
के०ख०आ०डि०सं०लि०	(+) 2.06	(+) 2.12	(+) 2.50
क्षे०इ०लि०, ना०ई०को०, दा०घा०नि०	(-) 27.87	(-) 22.62	(-) 41.40
कुल को०ई०लि०	(-) 253.17	(+) 167.07	(+) 291.27

(ग) और (घ) दो सहायक कंपनियों, जिन्होंने इन सभी वर्षों में हानि उठाई है वे निम्न हैं—ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि० (ई०को०लि०) तथा भारत कोकिंग कोल लि० (भा०का०को०लि०)। इन कंपनियों के कार्य-निष्पादन पर विभिन्न स्तरों पर आवधिक रूप में जांच की जाती है, जिसमें सरकारी स्तर भी शामिल है। इन कंपनियों द्वारा जिन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है उनमें निम्न शामिल हैं—कठिन खनन परिस्थितियां, अधिक कार्यशक्ति का होना, कम उत्पादकता तथा विद्युत की कमी। श्रमशक्ति को युक्ति संगत करने, उत्पादन तथा उत्पादकता में वृद्धि करने तथा अधिक विश्वसनीय विद्युत की आपूर्ति किए जाने के लिए कोयला फील्डों को अलग करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इन उपायों के परिणामस्वरूप कार्य-निष्पादन में सुधार आने तथा हानि में कमी होने की संभावना है। जहां तक इन खानों के प्रभारी अधिकारियों का संबंध है, लक्ष्य की तुलना में उनके द्वारा किया गया निष्पादन उनके वार्षिक मूल्यांकन के मामले मे एक मुख्य मानदंड के रूप में रखा गया है।

कोल इंडिया लिमिटेड का समापन

671. **श्री राम सिंह राठवा:** क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार एक समन्वयकारी कम्पनी कोल इंडिया लि० का समापन करने का विचार रखती है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान कोल इंडिया लिमिटेड के कार्यकरण पर कुल कितना धन खर्च हुआ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा): (क) जी, नहीं।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता है।

(ग) पिछले 3 वर्षों के दौरान कोल इंडिया लि०

(को०इं०लि०) के कलकत्ता, दिल्ली के कार्यालयों तथा विभिन्न स्थलों पर स्थित क्षेत्रीय बिक्री कार्यालयों पर किए गए कुल व्यय नीचे दिया गया है:—

(करोड़ रु० में)

वर्ष	व्यय
1990-91	23.22
1991-92	24.05
1992-93	24.37

Re-enipioyment/Extension of Services of officials in Coal India Limited

672. SHRI P. K. AGARWALLA: Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) the number of retired officials of Coal India Ltd., re-employed or whose services have been extended in Coal India Ltd., after their retirement;

(b) the period of re-employment/ extension in each case;

(c) the details of such officials as in part (a) above the designation, salary drawn, other perks and functions assigned to them at the time of retirement and at the time of re-employment; and

(d) the reasons in each case for these re-emloyments/service extensions'?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA): (a) Nil.

(b) to (d). Question does not arise.

कोयला खनिकों हेतु पेंशन योजना

673. **चौधरी हरि सिंह:** क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि कोयला खनिकों हेतु हाल ही में एक पेंशन योजना को स्वीकृति दी गई है और यदि हां, तो उक्त योजना का प्ररूप क्या है; और

(ख) उक्त योजना को कब तक कार्यान्वित कर दिया जाएगा?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजीत कुमार पांजा): (क) जी, नहीं।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता है।

कोयला उद्योग में पूंजी निवेश

674. **श्रीमती सुषमा स्वराज:**
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन:

क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कोयला उद्योग का राष्ट्रीयकरण किये जाने के वर्ष, 1972 में, देश में कोयले का उपादन 72 मिलियन टन था जो 1993 में बढ़कर 211 मिलियन टन हो गया है;

(ख) यदि नहीं, तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं और इस उद्योग में मार्च, 1972 और मार्च 1992 में कुल पूंजी निवेश कितना-कितना था;

(ग) क्या यह भी सच है कि इस अवधि में कोकिंग कोयले और गैर-कोकिंग कोयले के मूल्यों में अंतर आया है; यदि हां तो वर्ष 1972 और दिसम्बर, 1992 में इन दोनों किस्मों के कोयले के मूल्य क्या-क्या थे;

(घ) गत तीन वर्षों के दौरान कोयला उद्योग से प्राप्त औसत वार्षिक लाभांश कितना है और यह कुल पूंजी निवेश का कितने प्रतिशत है;

(ड़) क्या यह भी सच है कि देश के सरकारी क्षेत्र के कोयला उद्योग को ऋणों के रूप में प्राप्त हुई पूंजी पर ब्याज देना होता है; और

(च) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान ब्याज की औसत वार्षिक राशि कितनी रही है?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा): (क) और (ख) देश में कोयले का उत्पादन 1972-73 के 77.22 मिलियन टन की तुलना में 1992-93 में 238.26 मिलियन टन तक बढ़ गया है। कोल इंडिया लि० (को०इं०लि०) तथा सिंगरेनी कोलियरीज़ कंपनी लि० (सिं०को०कं०लि०) दोनों ही में कुल पूंजी निवेश मार्च, 1972 तक 240.44 करोड़ रु० तथा मार्च, 1992 तक 13993.12 करोड़ रु० था।